(i) Printed Pages : 3 Roll No. .....

(ii) Questions : 11 Sub. Code : 0 2 1 2

Exam. Code : 0 0 0 3

B.A./B.Sc. (General) 3rd Semester

(1129)

SANSKRIT (Elective)

Paper–Shri Madh Bhagvad Geeta Avem Vyakaran

Time Allowed : Three Hours] **[Maximum Marks : 90**

नोट :— (i) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) सुलेख तथा भाषा की शुद्धता पर ध्यान दीजिए।

(iii) प्रत्येक प्रश्न के सभी भाग एक ही स्थान पर कीजिए।

1. किन्हीं **दो** श्लोकों का सप्रसंग अनुवाद एवं व्याख्या कीजिए :—

(क) वीतारागभयक्रोधा मन्मया मामुपाश्रिता:।
बहवो ज्ञानतपसा पूता मद्भावभागता:।।

(ख) यस्य सर्वे समारम्भा: कामसंकल्पवर्जिता:।
ज्ञानाग्निदग्धकर्माणं तमाहु: पण्डितं बुधा:।।

(ग) अपाने जुह्वति प्राणं प्राणेऽपानं तथापरे।
प्राणापानगति रुद्ध्वा प्राणायामपरायणा:।।

(घ) श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं तत्पर: संयतेन्द्रिय:।
ज्ञानं लब्ध्वा परां शान्तिमचिरेणाधिगच्छति।। 2×7=14

2. किसी **एक** सूक्ति की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :—

(क) इति मां योऽभिजानाति कर्मभिर्न स बध्यते।

(ख) ज्ञानाग्निः सर्वकर्माणि भस्मसात्कुरुते तथा। 1×6=6

3. श्रीमद्भगवद्गीता के चतुर्थ अध्याय के प्रतिपाद्य विषय पर प्रकाश डालिए।

अथवा

श्रीमद्भगवद्गीता की सार्वभौमिकता में चतुर्थ अध्याय के योगदान पर चर्चा कीजिए। 1×5=5

4. किन्हीं **दस** शब्दों को संस्कृत में लिखिए :—

कोट, शेरवानी, धोती, कंगना, जूता, पाजेब, मंजन, इत्र, सोने का कड़ा, पाऊडर, नथ, चूड़ी, स्वेटर, गहना, साड़ी, दरी। 1×10=10

5. किन्हीं **पाँच** शब्दों की सन्धि/सन्धिविच्छेद कीजिए :—

तद् + जयः, आकृष् + तः, उदक् + मुखम्, क्षुभ् + धः, सं + कल्पः, संयोगः षड्जः, भेत्स्यति, धनुष्टंकारः सम्पूर्णम्। 1×5=5

6. किन्हीं **पाँच** शब्दों के विग्रहपद/समस्तपद लिखिए :—

इन्द्रवरुणौ, शिरोग्रीवम, अहर्निशम्, भ्रातरौ, पुत्रौ, माता च पिता च, शब्दश्च अर्थश्च, अहिश्च नकुलश्च, श्वशुरः च श्वश्रूः च, शीतं च उष्णं च। 1×5=5

7. किन्हीं **पाँच** पदों के साथ यथानिर्दिष्ट प्रत्यय लगाइये :—

मधु + अण्, भिक्षा + अण्, उरस् + अण्, धी + मतुप्, गन्ध + मतुप्, रस + मतुप्, श्रेष्ठ + तरप्, विद्वस् + तरप्, पटु + तमप्, उष्ण + तमप्। 1×5=5

8. किन्हीं **दो** शब्दों के सभी विभक्तियों में रूप लिखिए :—

तत् (नपुंसकलिंग), एतत् (पुलिंग), यत् (स्त्रीलिंग), राजन्। 2×5=10

9. किन्हीं **दो** धातुओं के यथानिर्दिष्ट रूप लिखिए :—

शक् (लट् लकार), प्रच्छ् (लृट् लकार), कुप् (लोट् लकार), मिल् (लङ् लकार)। 2×5=10

10. किन्हीं **दो** छन्दों के लक्षण और उदाहरण लिखिए :—

उपजाति, वंशस्थ, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा। 2×5=10

11. किन्हीं **पाँच** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :—

(i) गंगा हिमालय से निकलती है।

(ii) हम सब पाठशाला जाते हैं।

(iii) पेड़ से पत्ते गिरते हैं।

(iv) मन्दिर के दोनों ओर उद्यान है।

(v) रमा अपना पाठ याद करती है।

(vi) शगुन सत्य बोलता है।

(vii) वृक्ष पर पक्षी बैठते हैं।

(viii) स्वामी विवेकानन्द आर्यसमाज के संस्थापक थे।

(ix) सेवक स्वामी की सेवा करता है।

(x) वन में मुनि तप करते हैं। 2×5=10